

“कक्षा पांच के विद्यार्थियों में दशमलव ज्ञान का उपलब्धि स्तर  
एवं शिक्षण प्रभाव का अध्ययन”

D-153



बरकतउल्लाह विश्वविद्यालय, भोपाल की शिक्षा में  
एम.एड. की आंशिक संपूर्ति हेतु प्रस्तुत

लघु शोध प्रबंध  
2001-2002

निर्देशिका  
डॉ. (श्रीमती) अविनाश ग्रेवाल  
प्राध्यापिका शिक्षा विभाग  
क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, भोपाल



शोधकर्ता  
प्रबल कुमार गौर  
एम.एड. (छात्र)  
क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, भोपाल

क्षेत्रीय शिक्षा संस्था (N.C.E.R.T.) भोपाल (म.प्र.)

## प्रमाण - पत्र

प्रमाणित किया जाता है कि प्रबल कुमार गौर ने क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान भोपाल में एम.एड. (प्रारंभिक शिक्षा) उपाधि प्राप्त करने हेतु प्रस्तुत लघु शोध कार्य "कक्षा पांच के विद्यार्थियों में दशमलव ज्ञान का उपलब्धि स्तर एवं प्रभाव का अध्ययन।" मेरे निर्देशन में विधिवत् रूप से पूर्ण किया गया है। यह शोध कार्य इनके अथक परिश्रम, लगन एवं निष्ठा से किया गया मौलिक प्रयास है।

प्रस्तुत लघु शोध- प्रबंध बरकतउल्ला विश्वविद्यालय, भोपाल की सन् 2001-2002 की शिक्षा में स्नातकोत्तर उपाधि परीक्षा की आंशिक संपूर्ति हेतु प्रस्तुत किये जाने योग्य है।

स्थान : भोपाल  
दिनांक : 15.4.02

डॉ. (श्रीमति) अविनाश ग्रेवाल  
प्राध्यापक, शिक्षा विभाग  
क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान  
भोपाल



## आभार - ज्ञापन

प्रस्तुत शोध कार्य की पूर्णता के लिए मैं अपनी निर्देशिका डॉ. (श्रीमति) अविनाश ग्रेवाल का कृतज्ञ हूँ । जिन्होंने अत्यधिक व्यस्तता के बावजूद भी अपने सौहार्दपूर्ण व्यवहार के द्वारा मेरी कठिनाईयों का निराकरण किया एवं मुझे प्रगति की ओर अग्रसर करती रही । यह शोध - ग्रंथ आपके ही मार्गदर्शन का प्रतिफल है । आपके द्वारा धैर्य पूर्वक प्रदत्त आत्मीयता, वात्सल्य पूर्ण सहयोग एवं मार्गदर्शन अविस्मरणीय रहेगा ।

मैं आदरणीय प्राचार्य डॉ. एस.ए.शफी , अधिष्ठाता एवं विभागाध्यक्ष डॉ. आई. के. बंसल के प्रति हृदय से आभार व्यक्त करता हूँ जिन्होंने प्रोत्साहन एवं मार्गदर्शन देकर इस शोध कार्य को सम्पन्न करने में पूर्ण सहयोग प्रदान किया ।

मैं अपने विभाग के सभी गुरुजनों का हृदय से आभारी हूँ, जिनसे मुझे परामर्श एवं सहयोग प्राप्त हुआ है ।

मैं उन समस्त विद्वानों का आभारी हूँ, जिनके ग्रंथों का संदर्भ ग्रंथ के रूप में प्रयोग किया है ।

मैं पुस्तकालयाध्यक्ष तथा समस्त पुस्तकालय परिवार को धन्यवाद देता हूँ ।

मैं अपने सभी साथियों को सहयोग के लिए धन्यवाद देता हूँ ।



शोधकर्ता

*P. K. Gaur*

प्रबल कुमार गौर  
एम. एड (छात्र)  
क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान,  
भोपाल (म. प्र.)

## विषय - सूची

क्रमांक	विवरण	पृष्ठ क्रमांक
1.	<b>अध्याय प्रथम</b>	
	प्रस्तावना	1 - 9
1.0	भूमिका	
1.1	न्यूनतम अधिगम स्तर का अर्थ	
1.2	न्यूनतम अधिगम स्तर निर्धारण करने से लाभ	
1.3	प्राथमिक स्तर पर गणित शिक्षण के उद्देश्य	
1.4	गणित में न्यूनतम अधिगम स्तर	
1.5	शोध की आवश्यकता	
1.6	शोध कार्य के पूर्ववर्ती अध्ययन	
1.7	समस्या कथन	
1.8	शोध के उद्देश्य	
1.9	चर	
1.10	परिकल्पनाएँ	
1.11	परिसीमायें	
2.	<b>अध्याय द्वितीय</b>	
	संबंधित साहित्य का पुनरावलोकन	10 - 13
2.0	भूमिका	
2.1	साहित्य के पुनरावलोकन से लाभ	
2.2	पूर्व शोध आंकलन	
3	<b>अध्याय - तृतीय</b>	
	प्रदत्तों का संकलन एवं प्रस्तुतीकरण	14 - 18
3.0	भूमिका	
3.1	प्रतिदर्श	



3.2	उपकरण एवं तकनीक	
3.2.1	दशमलव अंक गणित प्रश्न पत्र	
3.3	प्रदत्तों का संकलन	
3.4	प्रयुक्त सांख्यिकी	
4.	अध्याय चतुर्थ	
	प्रदत्तों का विश्लेषण, व्याख्या एवं परिकल्पनाएँ	19 – 36
5.	अध्याय पंचम	
	शोध सारांश : निष्कर्ष : सुझाव	37 – 40
5.0	प्रस्तावना	
5.1	समस्या कथन	
5.2	स्वतंत्र चर	
5.3	शोध के उद्देश्य	
5.4	परिकल्पनाएँ	
5.5	प्रतिदर्श	
5.6	प्रयुक्त सांख्यिकी	
5.8	निष्कर्ष	
5.9	सुझाव	
5.10	भावी शोध हेतु सुझाव	
6.	संदर्भ ग्रंथ सूची	41
7.	परिशिष्ट	42 – 59





# सारणी सूची

- क्रमांक सारणी का नाम
- 4.1.1 भिन्न को दशमलव में लिखना
- 4.1.2 संख्या को दशमलव में लिखना
- 4.1.3 दशमलव योग संक्रिया
- 4.1.4 दशमलव घटाना संक्रिया
- 4.1.5 दशमलव गुणा संक्रिया
- 4.1.6 दशमलव भाग संक्रिया
- 4.2.1 भिन्न को दशमलव में लिखना
- 4.2.2 संख्या को दशमलव में लिखना
- 4.2.3 दशमलव योग संक्रिया
- 4.2.4 दशमलव घटाना संक्रिया
- 4.2.5 दशमलव गुणा संक्रिया
- 4.2.6 दशमलव भाग संक्रिया
- 4.3.1 भिन्न को दशमलव संख्या में लिखना
- 4.3.2 संख्या को दशमलव में लिखना
- 4.3.3 दशमलव योग संक्रिया
- 4.3.4 दशमलव घटाना संक्रिया
- 4.3.5 दशमलव गुणा संक्रिया
- 4.3.6 दशमलव भाग संक्रिया
- 4.4.1 भिन्न को दशमलव संख्या में लिखना
- 4.4.2 संख्या को दशमलव में लिखना
- 4.4.3 दशमलव योग संक्रिया
- 4.4.4 दशमलव घटाना संक्रिया
- 4.4.5 दशमलव गुणा संक्रिया
- 4.4.6 दशमलव भाग संक्रिया
- 4.5 पूर्व तथा पश्च परीक्षण पर आधारित सारणी
- 4.6.1 प्रयोगात्मक अध्ययन पूर्व परीक्षण उपलब्धि स्तर
- 4.6.2 प्रयोगात्मक अध्ययन पश्च परीक्षण उपलब्धि स्तर

